रयत शिक्षण संस्था संचलित

महात्मा फुले महाविद्यालय,पिंपरी,पुणे -17

हिंदी विभाग

एफ.वाय.बी.कॉम .(Credit Pattern2019)

वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र 1-B

(सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय,पुणे)

पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम : संवाद कौशल (भाषण कला)

-प्रस्तुति-

डॉ.कामायनी गजानन सुर्वे

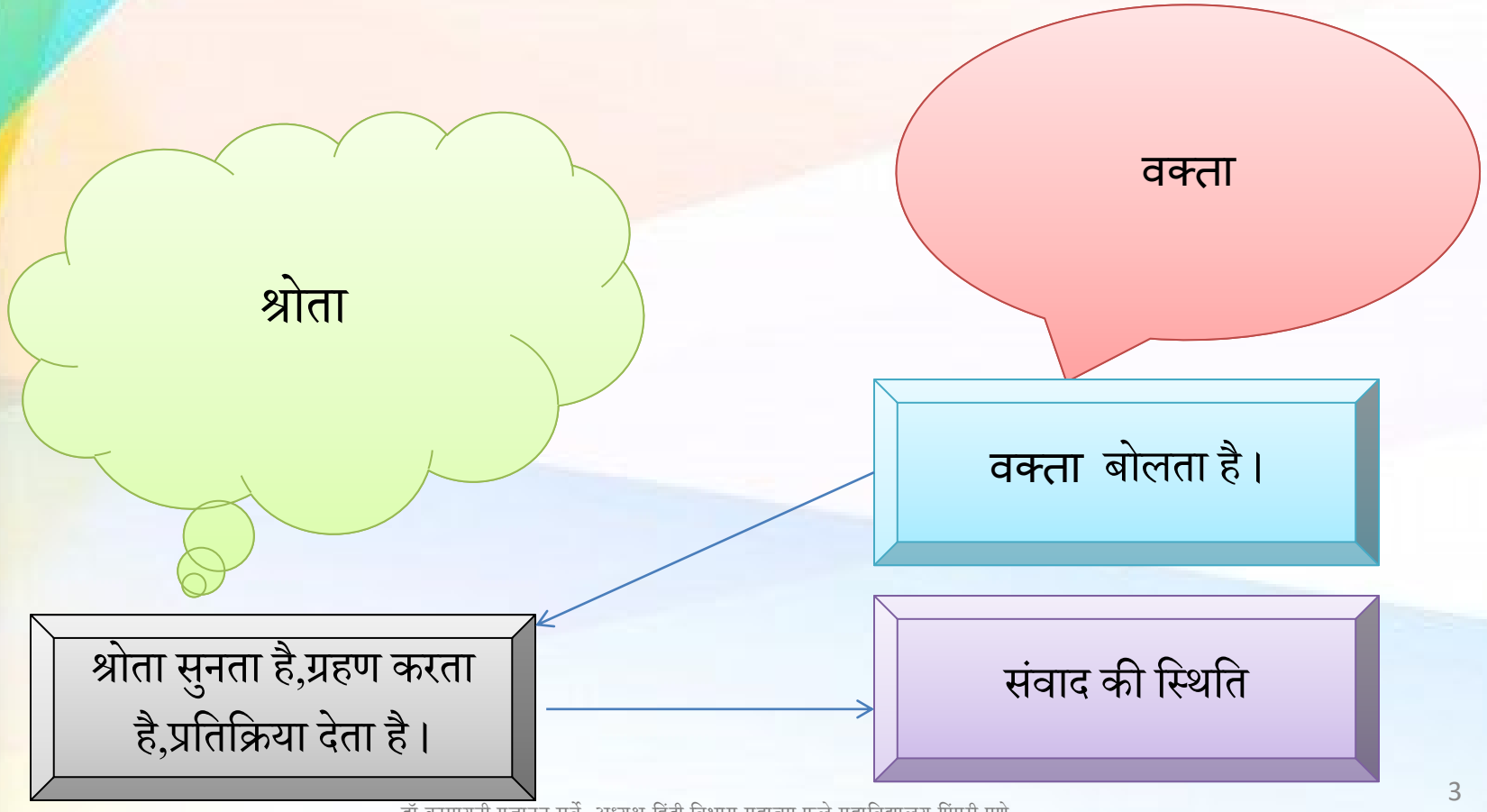
सहयोगी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग

प्रस्तुति की रूपरेखा




संवाद कौशल (भाषण कला)
वक्ता के गुण
भाषण की विषयवस्तु
भाषण के चार मुख्य भाग
देहभाषा
वक्तृत्व कला
संवाद कौशल की चुनौतियाँ
विद्वानों के मत
उपसंहार

संवाद की स्थिति



वक्ता के गुण


प्रभावी व्यक्तित्व
सीधी और स्पष्ट बात और उचित शब्दों का प्रयोग
सुस्पष्ट आवाज एवं मानक उच्चारण
वक्ता के गुण
आवाज में उचित आरोह-अवरोह
संस्मरणों का उल्लेख
काव्यात्मक शैली

भाषण की विषयवस्तु

- भाषण कला का महत्त्वपूर्ण अंश –विषय वस्तु एवं उसकी प्रस्तुति
- भाषण का प्रसंग क्या है यह जानना जरूरी
- श्रोताओं का स्तर समझना
- विषय की पर्याप्त तैयारी
- प्रस्तुति में क्रमबद्धता

भाषण के चार मुख्य भाग

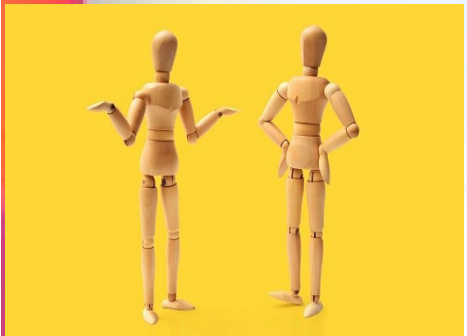
- भूमिका
- विषय का चिंतन और स्पष्टीकरण
- समस्याएँ और समाधान
- उपसंहार

संवाद कौशल और देहभाषा(Body Language)

- वक्ता की वाणी के साथ-साथ उसकी देहभाषा का भी विशेष महत्त्व

- वक्ता के हाव-भाव से प्रतिबिंबित/ध्वनित अर्थ

- श्रोताओं की आँखों में आँखें डालकर बात करना (Eye to EyeContact)-आत्मविश्वास



- हरकत की भाषा (Language of Action)

वक्तृत्व कला के विविध आयाम











संवाद कौशल की चुनौतियाँ

- नकारात्मक दृष्टिकोण
- विस्मृति
- लोगों से भय
- अनास्था

भाषण कला के बारे में विद्वानों के मत

एमर्सन का मत

भाषण एक शक्ति है।इसका सर्वोत्तम उपयोग अवांछनीय को छोड़ने तथा श्रेष्ठता को अपनाने में है।

प्लेटो का मत

भाषण एक ऐसी शक्ति है ,जिससे लोगों की मानसिकता को नियंत्रित किया जा सकता है।

आधार ग्रंथ : 'साहित्य विविधा'-संपादक हिंदी अध्ययन मंडल ,सवित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय ,पुणे

उपसंहार :प्रभावी भाषण कैसे करें ?

करें

- आकर्षक आरंभ,मध्य ,अंत
- श्रेष्ठ विचारों का आत्मीय प्रकटीकरण
- उद्देश्य की जानकारी
- जीवंत उदाहरण
- मानक भाषा का प्रयोग
- शैलीबद्धता

न करें

- असामाजिक शब्दों का प्रयोग
- मन में भय या नकारात्मकता
- पुनरुक्ति
- गलत उच्चारण
- श्रोताओं के प्रति अनास्था
- समयसीमा का उल्लंघन


धन्यवाद!
****